



अनंत ज्ञान

करे हर सीमा पार



पीढ़ी संधृ मलेशिया पारस्पर्य क्वार्टर फाइनल में

पृष्ठ 14 पर

आज का तापमान

शिमला	17.4 व्ह्यू	25.6 अधि
धर्मशाला	24.1 व्ह्यू	30.7 अधि
बाजार		
सैंप्रदेश	75418.04	
निष्ठा	22967.65	

रोना 73,420 चांदी 92,640

आरएनआई नं. HPHIN01099

कांगड़ा | शुक्रवार, 24 मई, 2024 | 11 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत् 2081 | वर्ष 1, अंक 156, कुल पृष्ठ 14 | गूग्ल : 5 रुपए

follow us on: 8894521702

अनंत ज्ञान

लैंगिक समाजवाद पर

अपील:

जन जन का नाया है, मतदान हमारा अधिकार है



क्यालिफायर-2



समय: शत 7:30 बजे (चैम्पिन्स)

न्यूज शॉट्स

राष्ट्रपति व पीएम ने बुद्ध पूर्णिमा पर शुभकामनाएं दीं

बुद्ध दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा भी बुद्ध पूर्णिमा पर देशवासियों और भगवान् बुद्ध के अनुयायियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान् बुद्ध के साथ, अहिंसा और मनवाता के प्रतीत प्रेम के संदेश पर प्रकाश डाला और नागरियों से सामाजिक सद्व्यवहार और राष्ट्रिय नियमों के लिए प्रतीक ध्यानपात्रों में सौंदर्य का अधिकार किया। प्रथमप्रधानमंत्री मोदी ने बुद्ध की शिखाएं सहिष्णुता, आत्म-जागरूकता और अखेत आचरण से हमें मनवाता की सेवा करने के लिए प्रेरणा मिलती है और उनका अधिकारिक संदर्भ पर प्रकाश डाला और नागरियों से सामाजिक सद्व्यवहार और राष्ट्रिय नियमों के लिए अधिकारिक सामाजिक सद्व्यवहार और नागरियों को अपावृत किया।

आरक्षण छीन मुसलमानों को देना चाहती है कांग्रेस, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा

दृष्टिकोण

वालों को देना चाहती है कांग्रेस, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए पहले ही भाषा चुनी है,

जैसे नहीं होने दूंगा।

अगले 5 साल का

कालांगड़ इस देश में

एक बड़ी क्रांति का

समय होने दूंगा।

युवाओं के सारे सपने

पूर्व होंगे, क्योंकि आपके

सपने ही मोदी का

संकल्प है। इंवेस्टिकॉम से

लेकर पता नहीं क्या-क्या कहा। इस बार बगवर जमकर इंवेस्टिकॉम से

सहिष्णुता देता है। इंवेस्टिकॉम ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानमंत्री ने देश के लिए एक भी जीव डालना क्या।

प्रधानम

प्रिय पाठकों के लिए

वोट के लिए आपके मन की बात



लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव में हमारी भूमि हो चुकी है। लोकतंत्र के इस महापर्व में हिमाचल प्रदेश में पहली बार वोट देखा गया है। युवा, महिलाएं, व्यापरी, पेंजीय, नौकरशाह, मजदूर और उद्योगी विदेशी सहित अब यह मतदाता दिया जाएगा।

आप अपनी यात्रा हमें ई-मेल : editor@anantgyaan@gmail.com पर भेज सकते हैं।

यदि आप व्यक्तिगत रूप से अपने विचार बेना चाहते हैं तो व्हाट्सएप नंबर: 8894521702 पर भी भेज सकते हैं।

चुनावी टक्की

अब तेरा क्या होगा कालिया

अब तेरा क्या होगा कालिया, साहब मैंने तो आपका नमक खाया है और नमकीन खड़क का पथरा और रेत खाया है। बेटा अब तूहीं इसका हिसाब देना होगा और जो अंकल-अंकले इनमा खाया है कि तीरों में भी नीज आ रहा है। वर्कर साहब भी चुपचाप खाया है और खेड़े रहे थे और मोके की तरफ आये थे।

पिंजरा तो किसी दूसरे के लिए लगाया था, लेकिन कैद अपने ही गए हैं। नमक भी खाया है तो रेती भी खाया हैगी, कहा गया है कि जूँ भी ताजा तो नेतृत्व प्रकृति पर हुआ था और डकर लेकर पीठ पर हुआ था जिसी की सियायी

मृत्यु का इशारा था, लेकिन भागावन के साथ से वे बच निकले। अब

पीरी तरह से खेड़ और हाथों का प्रसार करने वाले को सामने से पुकार रहे हैं, अब तेरा क्या होगा कालिया। अब कालिया को भी

क्या पता था कि घातक हमले में वे बच निकले। हमलाकर पैसे थे जिन्हें अब

तक पंचायत की सियासत का तुरंगा था और विकार का इस्तमाल विधानसभा के लिए रखा था। रोनां ताज तो कठीन होते हैं कि तुमने की वजह से ऐसा होता है। अब नाक ही नहीं खाना चाहिए था। नमक खाकर हम करना और धोखा देना वर्करों की शान के खिलाफ होता है। वर्कर हैं अब वे जो सजा दें उसे कबूल तो करना ही होगा।

-राजेश शर्मा

सुर और चाल बदले

मौसम की तरह तुम बदले तो न जाओगे। कई मौका परस्त चापलसों के सुर और चाल बदलें लगे हैं। और मौसम हो सुहाना तो कौन नहीं चालेगा आगा। ऐसा ही कुछ विधानसभा के अनुचानों में दूध्य देखने को मिल रहा है।

मौसम किस कावल बैठा था यह कुछ अनुमान लगा चैहे है। चापलस सबसे पहले उस पर्वत में नजर आने लगे हैं, जिस पैकिंग में अक्सर प्रमुख वकारदार औदेश नजर आते हैं। जैसे-जैसे चुनाव नन्दीका आ रहे हैं, तैक कैसे ही

चापलस मौसम का उपर्युक्त उत्तर उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बदला किसका भागी है यह अनुमान भी उनको होने लगा है। कल तक उनके पाले में बदल खुल खीरी और पीरी खाने वाले और बढ़ रहे हैं। दोनों हाथों में लड्डू वाले इन चापलस मौसम विधानसभा पर वकारदार उपर्युक्त उत्तर उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। और विकार का इस्तमाल के लिए उसका भागी है यह अनुमान भी उनको होने लगा है।

उन्होंने कहा कि हैरानी इस बात से प्रत्याशी मौद्रिक संसद से नहीं थी। लेकिन कुछ ऐसे थे तो कवायदा प्रम कॉरियर में जिला के प्रमुख के साथ नजर आ रहे थे। कुछ ऐसे थे जैसे तक जो पहुंचे थे। पूछ हिलाने वाले यह अनुमान लगा चैहे है। चापलस सबसे पहले उस पर्वत में नजर आने लगे हैं, जिस पैकिंग में अक्सर प्रमुख वकारदार औदेश नजर आते हैं। जैसे-जैसे चुनाव नन्दीका आ रहे हैं, तैक कैसे ही

क्या आपको ऐसी दृश्यता देना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या

प्रत्याशी नहीं है, जिस पर कोई केस उसे बदल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या

प्रभारी खुद को धर्मशाला का हितेपी बताने से नहीं थक रहे हैं।

जिस पर 420 का केस, कांग्रेस ने उसे बनाया धर्मशाला का फेस : अनुल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

चुनाव की हीसला करेगी, जिस पर

पहले से केस दर्ज है।

भारद्वाज ने कहा कि धर्मशाला

से धोखा करने के बाद कांगड़ा-

किंवदं धर्मशाला के लोगों को

समस्तीय क्षेत्र से भी ऐसा प्रत्याशी

मैदान में उतारा जिसका कांगड़ा-

चंबा के लोगों से भी छल किया है।

समस्तीय क्षेत्र से भी ऐसा प्रत्याशी

मैदान में उतारा जिसका कांगड़ा-

चंबा में घर ही नहीं है।

ऐसे प्रत्याशी के मैदान में उतारा है, जिस पर मिलने

या अपनी समस्तीय बताने कहा

जाएगे, कांग्रेस को जनता को यह

जरूर बताना चाहिए। उन्होंने कहा

कि धर्मशाला विधानसभा के चुनाव प्रभारी खुद को धर्मशाला का हितेपी बताना से नहीं थक रहे हैं।

जिस पर क्रियान्वयन की दृश्यता

देना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या

प्रभारी खुद को धर्मशाला का हितेपी बताना से नहीं थक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के खिलाफ देने के

पूछ हुए थे और उन्होंने अपने मकसद

को भी पूछा किया है।

मूख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में फिर से जो

दहाड़ लगाया है, उससे भारजा के खिलाफ देने के

खलबली जरूर मच गई है। उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न भारजा

में शामिल हुए। क्योंकि उनको जीतना

मुख्यमंत्री द्वारा नहीं है। मूख्यमंत्री ने

इस क्षेत्र में फिर से जो

दहाड़ लगाया है, उससे भारजा के खिलाफ

देना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या

प्रभारी खुद को धर्मशाला का हितेपी

बताना से नहीं थक रहे हैं।

मूख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में फिर से जो

दहाड़ लगाया है, उससे भारजा के खिलाफ

देना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या

प्रभारी खुद को धर्मशाला का हितेपी

बताना से नहीं थक रहे हैं।

जिस पर 420 का केस, कांग्रेस ने

उसे बनाया धर्मशाला का फेस : अनुल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

चुनाव की हीसला करेगी, जिस पर

पहले से केस दर्ज है।

भारद्वाज ने कहा कि धर्मशाला

से धोखा करने के बाद कांगड़ा-

चंबा के लोगों को भी ऐसा

प्रत्याशी

मैदान में उतारा है।

उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न

भारजा में शामिल हुए।

उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न

भारजा में शामिल हुए।

उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न

भारजा में शामिल हुए।

उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न

भारजा में शामिल हुए।

उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न

भारजा में शामिल हुए।

उनके तेवरों

से सधी था कि आपे बाल सम्पन्न

भारजा में शामिल हुए।

उनके तेवरो

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री अमित शाह कल धर्मशाला में

धर्मशाला भाजपा के स्टार प्रचारक और केंद्रीय मंत्री अमित शाह का हिमाचल दूर फाइल हो गया है। 25 मई को केंद्रीय मंत्री अमित शाह हमीरपुर और कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। सुबह 9:30 बजे मेला घाउड़ अंतर्गत जिला कांगड़ा में एक टैली को संबोधित करेंगे। इससे पहले उनका धर्मशाला कार्यक्रम जोरावर रखियमें बताया गया था, लेकिन अब पुलिस घाउड़ में उक्ती टैली 25 मई को होगी। कांगड़ा-चबा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रतीकी प्रतिपक्ष परमार ने यह को 25 मई को अमित शाह मेला घाउड़ में साड़े 11 बजे एक विश्वास जनसभा को संबोधित करेंगे। उक्तोंने कहा कि इस टैली को लेकर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं व जनता में भारी जोश है। वह दिन दूर नहीं जब 400 टैली पर कर केंद्र और प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी तथा नेहरू मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

संत निरंकारी भवन घुरुकड़ी में समागम



गण। संत निरंकारी भवन घुरुकड़ी में वीरावर को जिला स्तरीय समागम का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली से आए राष्ट्रीय ज्ञान प्रचार महादामा एसएस चावला ने सद्गुरु माता सुरीका व राज पिठा के पावन सानिया के दिशा निर्देश के अनुसार संयोजक जिला स्तरीय समागम का आयोजन किया। इसमें माता सुरीका जी महाराज ने कहा है कि ब्रह्म ज्ञान द्वारा संराम में अज्ञान के अंतर्कार को मिटाकर रोशनी लाना है। मनुष्य में प्रमाणन का अंग पहले से ही मौजूद है। शरीर में होने के कारण आत्मा शरीर ही मान तेतू है परंतु आत्मा ही है शरीर का कोई भी अंग दूर होने पर मेरे इस अंग में दूर हो रहा है यह कहते हैं कि मुझ में दूर हो रहा है। निरंकारी प्रतिष्ठान द्वारा इसकी पहचान करती है। दिखाये की तरफ ज ज एवं विश्वास समर्पित भाव से कार्य करते हैं। कार्यवों का पालन करते हुए घर परिवार में रहकर भक्ति करते जाए। समागम में हजारों साद गंगा में हवाजीरी लगाई।

नैहरनपुखर में बांस के झुंड में लगी आग

गरली। चौतूं रोट वैहरनपुखर रियत संकारी आईटीआई के निकट संपर्क सड़क किनारे वीरावर देश राय अचानक बास के झुंड में आग लगा गई। आग की तेज लप्तों का पापा चलते ही वह स्थानीय लोगों के बीच भगदड़ मच गई। वहां बांस के झुंड व छाड़ियों को लाई आग अपना विकाराल रूप धारण करती, उससे पहले ही दुकानदारों व स्थानीय जानीपों के आग पर काबू पा लिया। अशोक शर्मा, प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि यहां पापी की बेबद किलत होने के कारण आग को काबू पाने के लिए बहुत परेशानी हुई।

पौंग झील किनारे भूसे को लगाई आग

अनिल छांग, जवाली खाली भूमि को कंटीले तारों से घेर दिया गया था, अच्छी तरह से जुताई की गई और कंटाइनर बबाइन से कटाई की गई। अब गहूं के बचे हुए भूसे में भूसे को लगाने से उन्हें वाले खुंबु से पूरा शेत्र आपांश में है। क्षेत्रवासी जी इस खाली जमीन में बार-बार इस मुद्रे को उतारते रहे हैं।

स्थानीय पक्षियों के अंदे व बच्चे भी चेपट में आने की अशंका जाताहै जा रही है। इस घटना के अंताम से ऐसा लगता है कि राज्य वन विभाग की वन्य जीव शाखा ने पौंग झील पर अपना नियंत्रण छोड़ रहे हैं। पर्यावरणविद मिलखी राम

इस मुद्रे को लेकर हिमाचल प्रदेश के उच्च न्यायालय का दरवाजा खोलकर, जिसके निर्देश पर उन्होंने अब राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण में मामला दायर किया है और जल्द ही एक अनुकूल निर्णय की उम्मीद कर रहा है।

पौंग झील पर अपना नियंत्रण छोड़ रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

अब राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण में मामला दायर किया है और जल्द ही एक अनुकूल निर्णय की उम्मीद कर रहा है।

पौंग झील पर अपना नियंत्रण छोड़ रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

बता दें मंदिर परिसर में एक युवक और युवती आपत्तिजनक तरीके से मंदिर परिसर में हरकतें कर रहे थे जिसकी रिकार्डिंग मंदिर के सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। यथाने में ऑनलाइन शिकायत देखी गयी है कि यह युवक एवं युवती ने अपने वाले युवकों को बदली गयी है। यथाने में ऑनलाइन शिकायत मिली है।

युवा नेता बख्शीश भाजपा छोड़ 'आप' में शामिल

कमीशनिंग के बाद स्ट्रांग रूम में रखी जाएंगी ईवीएम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने होम वोटिंग व वीवीपैट कमीशनिंग प्रक्रिया का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्लूग, धर्मशाला

जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी हेमराज बैरवा ने कहा कि इसे स्ट्रांग रूम स्थापित किए गए हैं। ईवीएम-वीवीपैट की कमीशनिंग के लिए स्ट्रांग रूम को उम्मीदवारों व विस्त्रेता में होम वोटिंग तथा उनके अधिकृत कुचाल एंजेंटों की उपस्थिति में ही खोला जाएगा।

प्रक्रिया की कमीशनिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवासक वादाम एवं वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा तथा इसे उम्मीदवारों व जनता के अधिकृत कुचाल एंजेंटों की उपस्थिति में ही सील किया जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग के लिए स्ट्रांग रूम को उम्मीदवारों व विस्त्रेता में होम वोटिंग तथा उनके अधिकृत कुचाल एंजेंटों की उपस्थिति में ही खोला जाएगा।

प्रक्रिया की कमीशनिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवासक वादाम एवं वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा तथा इसे उम्मीदवारों व जनता के अधिकृत कुचाल एंजेंटों की उपस्थिति में ही सील किया जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया के निरीक्षण के द्वारा डीसी वीवीपैट को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

ईवीएम वीवीप

धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, इसका विपरीत है अधर्म का खजाना। -स्वामी दयानन्द सरस्वती



चुनाव आयोग की साख

इस बार का लोकसभा चुनाव कुछ हटकर है। अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए कांगड़ा और भाजपा समेत सभी स्थानीय दलों के नेता जमकर एक-दूसरे पर चुनावी तीर चला रहे हैं। कई बार नेताओं के मुंह से ऐसी बातें निकल रही हैं कि मामला संगीन होता जा रहा है। यही बजह है कि चुनाव आयोग को दोनों प्रमुख पार्टीयों का ग्राहण और भाजपा के गांधी अध्यक्षों को निर्देश जारी करने पड़े कि वे अपने स्टार प्रचारकों से सही धारणा और बयानबाजी करें, साथधारी बताएं और शिक्षाचार बनाए रखें तो लोग नोटिस जारी करें। आयोग ने स्टार प्रचारकों को अपने चुनाव प्रचार के द्वारा आदर्श आचार संहिता का सखी से पालन करने तो लिए भी कहा है। निश्चित रूप से चुनाव आयोग की इस फकर के कई मामले हैं, क्योंकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने का सारा दारोमदार आखिर चुनाव आयोग पर ही होता है। दरअसल, आयोग चुनाव प्रचार की गिरती गुणवत्ता को लेकर बहद चिंतित है।

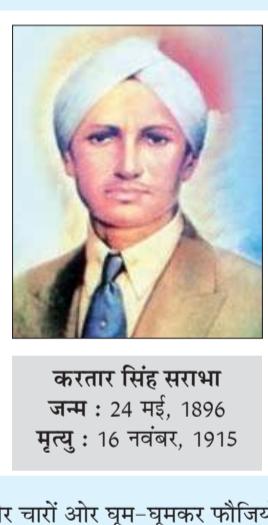
भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को चुनाव के कारण किसी भी स्तर में प्रभावित नहीं किया जाता है। किसी भी पार्टी को वोटों के गुणवत्ता पूर्ण चुनाव अनुभव की विरासत को कमज़ोर नहीं करना चाहिए। नेताओं को की धार्थिक और सांप्रदायिक बतानों से पहले हज़र रखना चाहिए। नेताओं को ऐसा चुनावी भाषण नहीं देना चाहिए जिससे समाज में विभाजन पैदा हो। स्टार प्रचारकों को चाहिए कि वे ऐसे बयान न दें जो गलत धारणाएं देते हैं, जैसे कि भारत के संविधान को खलू किया जा सकता है या बेचा जा सकता है। सरकार ने जब एक बार कोई योजना राशीत हैमें बना दी है तो उसकी आलोचना भी नहीं करनी चाहिए। जैसे अनिवार्य योजना को बार में बोला जा रहा है, क्योंकि इससे रक्षाबोलों का राजनीतिकण होने का अंदेशा बना रहता है तथा इससे सामाजिक और आर्थिक संरचना भी प्रभावित होती है। चुनावी भाषणों का गिरता स्टर बाकई चिंता का विषय है। पहले के चुनावों में धारणा इन्हें जहरीले नहीं होती थी, लेकिन इस बार के चुनाव में धारणा सामाने नहीं होती थी, वे अंदेशीय होती हैं। ऐसे धारणों से ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिलता है।

आज नेता मुद्रों की बात कम कर रहे हैं और एक-दूसरे के खिलाफ जहर ज्यादा उगल रहे हैं। 2014 और 2019 के चुनाव में प्रैष्ठानिकों के खालमे की बातें ही थीं, लेकिन इस बार यह चुनाव न जाने किस दिना में जा रहा है। कांगड़े के धारणा पत्र को अधिक बनाता है, भाजपा नेता जो दावे कर रहे हैं, विषय उन दावों को छुट्टी और विभाजकों का चाहिए। यही नेताओं के बाह्यकारी भाषण की चुनावों में हो रही है। सबल यह है कि यह सिलसिला अधिक बाकी रहेगा। क्या आयोगी चुनावों में यह और बढ़ेगा या घटेगा? सत्ता की लालसा में नेता अपनी छवि भी खारब करते जा रहे हैं। ऐसे में देख के भविक्य का होगा? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। होना तो यह चाहिए था कि पुरी दुनिया भारत के चुनाव की मिसाल पेश कर उसका अनुसरण करती, लेकिन जिस तरफ से आपो-प्रत्यारोपों का दौर चाहा है, उससे भी भारत की साखी भी परित जा रही है। चुनावी आयोग का लक्ष्य चुनावों में बोला जा रहा है, क्योंकि इससे रक्षाबोलों का राजनीतिकण होने का अंदेशा बना रहता है तथा इससे सामाजिक और आर्थिक संरचना भी प्रभावित होती है। चुनावी भाषणों का गिरता स्टर बाकई चिंता का विषय है। पहले के चुनावों में धारणा इन्हें जहरीले नहीं होती थी, वे अंदेशीय होती हैं। ऐसे धारणों से ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिलता है।

चुनाव आयोग दिसं रहित चुनाव करवाने पर भी जोर देता है ताकि शांत बने रहे। चुनावी प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग राजनीतिक दलों पर टिप्पणी करने से बचता है, क्योंकि उसे सभी राजनीतिक दलों के साथ सम्पन्नपूर्वक, सहयोगी रिश्ते में विश्वास है, जो एक स्वस्थ भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। क्या इस इस तरफ से चुनाव आयोग एक स्वतंत्र कानून्य के तौर पर काम कर पाएगी? इसके बारे में नेताओं को गंभीर से सोचना होगा, साथ ही मतदाताओं को भी बरालाने वाले धारणों को नकारना होगा और उन्हें तबजो नहीं देनी होगी। चुनाव करवाना केवल चुनाव आयोग की ही जिमिदारी न हो, बाल्कि देश के रह नाराहिक को यह सोचना होगा कि जैसे उसके घर में ही कोई बड़ा आयोजन हो रहा है। जब इस तरह की सोच सबमें विकसित होगी, तो निश्चित रूप से सुधार अवश्य होगा। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी



करतार सिंह सराभा
जन्म: 24 मई, 1896
मृत्यु: 16 नवंबर, 1915

करतार सिंह सराभा के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

उन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को संग्रहित किया और चारों ओर धूम-धूमकर फौजियों को चिप्रिय करने देतु एवं विप्रित किया। सराभा भी भारत मां के एक ऐसे से लाल थे, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य काट्टपा देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मनोता पंचायत में मतदाताओं को किया जागरूक



चंबा। कांगड़ा-चंबा लोकसभा क्षेत्र में 03-विधानसभा अनुबोध चंबा की सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निवाचन सहायता अभियान (स्ट्रॉप) टीम द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यालय की शृंखला में ग्राम पंचायत भनोता के मतदाता केंद्र सारागां, भनोता, गांव घोड़, भौता, ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत की मतदाता केंद्र सारागां के अंतर्गत ग्राम द्वारा मतदाताओं, ग्रामपालियों, नव पंजीकृत मतदाताओं के लिए मतदाता जागरूकता, हस्तक्षेप अभियान व मतदाता स्थापन का आयोजन किया गया।

कृषि एवं बागवानी उत्पादों के निर्यात को मिले प्रोत्साहन चंबा। राष्ट्रीय वर्षसंति स्थाप्य प्रबंधन संस्थान (एवाईआईपीएचएम), कृषि एवं किसान कर्तव्यमान भारत, भारत, हैदराबाद के कार्यालय, भारत राज्य, हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. ज्योति भाद्राजन जे हिमाचल प्रदेश सरकार बागवानी विधान, सलूणी, चंबा के बागवानी अधिकारी, अनिल डोंगा के सहयोग से होलिस्टिक हिमालय किसान उत्पादक कंपनी, आंदेल में 'कृषि एवं बागवानी उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन' के लिए एक दिव्यालय कार्यक्रम का आयोजन किया। बैठक में होलिस्टिक हिमालय के महिला किसान तथा अधिक्षेत्रीय बागवानी, सीडीओ डॉ. मोहम्मद दियाज तथा संस्था के अवृद्ध सदस्य भी उपस्थित रहे।

</div

